



प्यासी चाची ने जिस्म दिखाकर मुझे पटा लिया

“न्यूड शो सेक्स स्टोरी में मेरी चाची पड़ोस में ही रहती थी. वे चाचा से खुश नहीं थी तो मुझे अपने जिस्म के दीदार करवाती रहती थी. एक दिन तो वे मेरे सामने पूरी नंगी हो गयी. ...”

Story By: मयंक 23 (sadshayar)

Posted: Wednesday, March 18th, 2026

Categories: [चाची की चुदाई](#)

Online version: [प्यासी चाची ने जिस्म दिखाकर मुझे पटा लिया](#)

प्यासी चाची ने जिस्म दिखाकर मुझे पटा लिया

न्यूड शो सेक्स स्टोरी में मेरी चाची पड़ोस में ही रहती थी. वे चाचा से खुश नहीं थी तो मुझे अपने जिस्म के दीदार करवाती रहती थी. एक दिन तो वे मेरे सामने पूरी नंगी हो गयी.

दोस्तो, मेरा नाम मयंक है.

मेरे मम्मी-पापा किसी काम से बाहर गए हुए थे तो मैं पड़ोस में रहने वाले अपने चाचा के घर आया हुआ था.

मैं पहले भी चाचा चाची के घर आता रहा हूँ.

यह न्यूड शो सेक्स स्टोरी मेरे चाची की है.

मेरी चाची भरपूर माल हैं और उनकी जवानी को भोग कर भी चाचा उनकी चुत से एक बच्चा पैदा नहीं कर सके.

शायद इसी लिए चाची मुझे वासना भरी नजरों से देखती थीं.

शुरू शुरू में तो मुझे समझ नहीं आता था कि चाची की कामुक नजरों का क्या जवाब दूँ मगर जब मेरे लौड़े को चाची की जवानी ने हिनहिनाने पर मजबूर कर दिया तो मैं भी उन्हें मादक नजरों से देखने लगा था.

जब तब मैं चाची के घर आ जाया करता था और उनके साथ बैठ कर बातें करता रहता था.

चाची मुझसे धीरे धीरे खुल कर बातें करने लगी थीं और बातों के साथ सतह वे मुझे अपने रसीले मम्मों का नजारा भी कराने लगी थीं. वे जब भी झुक कर मुझे अपने दूध दिखातीं तो मैं भी उनके मम्मों में मानो खो सा जाता था.

चाची भी छिपी हुई नजरों से मेरी कामुक निगाहों को पढ़ती हुई अपने दूध ढाकने का जरा सा भी प्रयास नहीं करती थीं. कुछ दिनों बाद तो एक बार ऐसा भी हुआ था कि वे मेरे सामने ही कपड़े बदलने लगी थीं.

दरअसल उस दिन मुझे चाची को अपने साथ बाइक पर लेकर किसी फंक्शन में जाना था क्योंकि चाचा अपने ऑफिस के काम से शहर से बाहर गए हुए थे.

चाची ने मुझे फोन करके बुलाया था और कहा था कि मैं तेरे साथ तेरी बाइक पर चलाऊँगी.

मैंने ओके कह दिया था और उनके घर आ गया था.

मुझे आया देख कर चाची बोलीं- अरे आ गया तू .. चलो तुम मेरे कमरे में ही बैठ कर टीवी देखो, मैं तब तक चेंज कर लेती हूँ.

मैंने ओके कहा और उनके कमरे में ही बैठ गया.

चाची ने मेरे सामने ही अपनी साड़ी उतारी और वे अपने ब्लाउज के बटन खोलने लगीं.

मेरा कलेजा हलक में आने लगा था कि आज चाची को क्या हो गया है. क्या ये आज मेरे सामने ही नंगी होने के मूड में हैं.

वे मेरे साथ बात भी करती जा रही थीं और अपने ब्लाउज के बटन खोल कर सफेद ब्रा में कैद अपने दूध दिखाने लगीं.

तभी उन्होंने अपने पेटिकोट का नाड़ा ढीला किया और उसे अपने मम्मों तक चढ़ा कर उसे अपने दांतों से पकड़ लिया. अब वे ब्लाउज को उतारने लगीं और मैं उन्हें छिपी नजरों से देखने लगा.

चाची की टांगें आधी से ज्यादा नग्न होकर मुझे दिख रही थीं.

फिर उन्होंने अपने दोनों हाथ पीछे करके अपनी ब्रा का हुक खोला और उसे अपने मम्मों से आजाद कर दिया.

उसके बाद चाची ने मेरे सामने ही लाल कलर की ब्रा पहनी और उसके हुक को लगाने के बाद बिना आस्तीन कर ब्लाउज पहनने लगीं.

फिर पेटिकोट बदलने की बारी आई तो मैं उनकी पैंटी देखने की उम्मीद लगाने लगा था कि पेटिकोट कैसे बदलेंगी.

मगर चाची ने सर के ऊपर से लाल रंग का पेटिकोट पहन लिया और उसे पुराने पेटिकोट के ऊपर ही डाल कर पुराने को उतार दिया.

वे मुझे मायूस सा देख कर मुस्कराने लगी थीं.

मैं भी समझ गया था कि अब इससे बाद तो साड़ी पहनना ही बाकी रह गया है.

उन्होंने साड़ी पहनी और मेकअप करने लगीं.

करीब बीस मिनट बाद चाची एकदम कांटा माल जैसी सज गई थीं.

वे लिपस्टिक लगाती हुई बोलीं- कैसी लग रही हूँ मैं ?
मैंने न जाने किस झोंक में कह दिया- झकास लग रही हो चाची !
वे मुझे देखती हुई हंस पड़ीं.

मुझे अपनी भूल का अहसास हुआ तो मैं झेंप गया.
इसी तरह से चाची मुझे शिडचूस करने का कोई मौका नहीं छोड़ती थीं
और अब मैं भी उनके लिए माल आंटी जैसी सोच रखने लगा था.
उन्हें याद करके मैं मूठ भी मारने लगा था और मन ही मन उन्हें चोदने की
तमन्ना को बलवती करता गया.

एक दिन मेरा समय आ गया था शायद ... उस दिन मेरे चाचा अपने
ऑफिस के काम से बाहर गांव चले गए थे.
उन्होंने मुझे घर बुलाया और कहा था कि वे एक दिन बाद वापस आएंगे
तो मैं उनके घर पर ही रुक जाऊं.

चाचा के जाने के बाद मैं और मेरी चाची घर पर रह गए थे.

मेरी चाची बोलीं- मैं नहाने जा रही हूँ ... तब तक तुम चाय बना लो.
मुझे चाय बनानी नहीं आती थी तो मैंने चाची से कहा- चाची ... मुझे
चाय बनानी नहीं आती.

तो चाची बोलीं- अरे यार ... इतना तो करना सीख लो ... चलो मैं बताती
हूँ. तुम पैन में पानी डाल लो, थोड़ी चीनी और थोड़ी पत्ती भी डाल लो ...
बस उबलने देना और देखते रहना.

चाची के कहे अनुसार मैंने चाय उबाल ली.

जब चाय बन गई तो मैंने चाची को आवाज़ दी.
चाची बोलीं- बस आ रही हूँ.

चाची थोड़ी जल्दी जल्दी में आई तो वे सिर्फ एक तौलिया लपेट कर आ गई थीं.

मैंने उन्हें इस रूप में देखा तो हक्का बक्का रह गया !
चाची भी मुझे देख कर मुस्कराने लगीं.

उसी वक्त न जाने कैसे चाची का तौलिया खुलकर नीचे गिर गया.
अब चाची मेरे सामने बिल्कुल नंगी हो गई थीं.

चाची का गोरा-गोरा बदन, गोल-गोल चूचियां, चिकनी चूत ... सब देखकर मैं देखता ही रह गया.

चाची ने शर्म से अपनी आंखों पर हाथ लगाकर मेरे सामने पीठ कर ली.

चाची के बड़े-बड़े चूतड़ों को देखकर मेरा लंड खड़ा हो गया.

वे चाहतीं तो भाग कर बाथरूम में या कमरे में जा सकती थीं.
लेकिन शायद आज उनका मूड बन गया था तो वे न्यूड शो से मुझे गर्म करने का प्रयास कर रही थीं.

यह सोचते ही मुझसे रहा नहीं गया.
मैंने चाची को पीछे से पकड़ लिया.

चाची के बड़े-बड़े चूतड़ों के बीच में मेरा लंड घुस चुका था.
चाची ने लंबी सांस ली और बोलीं- अरे ... तुम क्या कर रहे हो ? मैं तुम्हारी चाची हूँ ... छोड़ो मुझे.

मैंने चाची से कहा- तो क्या हुआ चाची ... आप भी किसी को मत कहना और मैं भी नहीं कहूँगा. सिर्फ एक बार मौका देकर देखो चाची ... आपको पूरा मज़ा दूँगा सिर्फ एक बार ... प्लीज़ चाची ... प्लीज़!
वे कुछ नहीं बोलीं बस अपनी गांड को मेरे लौड़े पर रगड़ने लगी थीं.

मैं बोला- चाची, मैंने कभी किसी की गांड नहीं मारी ... मैं एक बार गांड मारना चाहता हूँ. मैं भी देखना चाहता हूँ कि कितना मज़ा आता है.

चाची मादक स्वर में बोलीं- मुझे भी तुमसे एक बात कहनी है.
मैं बोला- कहो चाची ... खुलकर कहो.

चाची बोलीं- तेरे चाचा ठीक से मज़े नहीं देते ... मेरी हवस ठीक से नहीं मिटती.
मैं बोला- तो चलो न मेरी चाची जी ... आज हम दोनों मज़ा करते हैं.
वे हंस दीं.

अब मैं चाची को अपनी बांहों में उठाकर कमरे में पड़े उनके डबल बेड पर ले गया.

चाची मुझे किस करने लगीं.
मैं भी चाची को किस करने लगा.

वे मेरे होंठों को अपने होंठों से चूसने लगीं और जल्द ही उन्होंने अपनी जीभ मेरे मुँह में डाल दी.

मैं उनकी इस हरकत से एकदम से गनगना गया था और उनकी जीभ को बेताबी से चूसने लगा था.

चाची ने मेरे एक हाथ को पकड़ कर अपने दूध पर रखवा दिया और मैं चाची के मम्मों से खेलने लगा.

वे आह आह करने लगीं और मुझे अपने दूध चूसने के लिए कहने लगीं. मैंने उनके एक दूध के निप्पल को अपने होंठों में दबाया और खींच कर चूसने लगा.

चाची अपने होंठों को दांतों से दबा कर काटती हुई इस्स इस्स कर रही थीं.

मैंने करीब दस मिनट तक चाची के दोनों मम्मों को मसल मसल कर चूसा और उनके निप्पलों को मींजने लगा.

वे बोलीं- मेरी चुत में भी कुछ करो न!

मैं चूचियों से हट कर उनकी चुत को चाटने लगा.

चाची चुत फैला कर चुसवाने लगीं और मुझे अपनी चुत में दबाने लगीं.

मैं भी गर्म हो गया था और वे भी गर्म हो गई थीं.

वे लंबी-लंबी सांसें लेने लगीं.

चाची के मुँह से 'आ ... आ ... आ ...' की मादक सिसकारियां निकलने लगीं.

कुछ देर बाद चाची मेरे लौड़े को चूसने लगीं, वे मेरे टट्टों को भी चूसने लगीं.

मुझसे भी रहा नहीं गया.

मैंने चाची को चित लिटाया और उनकी चूत पर अपना लंड सैट करके रगड़ने लगा.

चाची आह आह करके मुझे चोदने का इशारा करने लगीं.

मैंने सुपारा चुत की फाँकों में फँसाया और एक जोरदार झटका लगा दिया.

चाची की चीख निकल गई- आहूहूह ... मां ... मार डाला ... साले भोसड़ी वाले तेरा लंड है या आफत !

मेरा लंड बड़ा और मोटा था.

मैं अनाड़ी किस्म का चोदू था तो चाची की बात को अनसुना करते हुए उनको जोर-जोर से चोदने लगा.

चाची की मीठी चीखें निकलने लगीं.

वे दर्द से कराहती हुई बोलीं- आह भोसड़ी के ... धीरे-धीरे मादरचोद ... मैं कहीं भाग नहीं रही हूँ !

चाची के मुँह से गाली सुनकर मैं और तेज़ झटके मारने लगा.

चाची अब रोने लगीं और बोलीं- बस करो ... मर जाऊंगी.

करीब बीस मिनट तक चुदाई करने के बाद मेरा वीर्य अब झड़ने वाला था और चाची भी झड़ने वाली हो गई थीं.

मैं उन्हें पेलता रहा और थोड़ी ही देर के बाद हम दोनों एक साथ झड़ गए.

मैंने उन्हें चूमते हुए कहा- मजा आया चाची ... अब गांड की बारी है !

चाची बोलीं- आह ... अब नहीं ... मेरी चुत का बुरा हाल बना दिया तूने ... मुझसे और नहीं होगा ... और शाम को तुम्हारे चाचा भी लेंगे मेरी!

इतनी सुनकर मेरा लंड फिर से खड़ा हो गया.

मैं कहां मानने वाला था

मैंने चाची को मनाया और उनकी गांड में तेल की मालिश की और उंगली से गांड ढीली करके लंड सैट कर दिया.

फिर मैंने लौड़े को गांड के अन्दर डाल दिया.

चाची गांड मरवाती थीं तब भी मेरे मोटे लौड़े के घुस जाने से वे तड़पने लगी थीं 'आह मार डाला रे.'

मैं चाची की गांड में लौड़े को आगे पीछे करता रहा और साथ ही उनकी चुत में भी उंगली करने लगा.

वे कुछ ही देर में मस्ती से गांड मरवाने का सुख लेने लगीं.

थोड़ी देर बाद हम दोनों झड़ गए.

मैं थक गया था तो नंगा ही सो गया.

चाची भी सो गईं.

जब मैं उठा, चाची को देखा.

वे सही से चल भी पा रही थीं.

उस रात को मैंने चाची की चुत चोदने की बहुत कोशिश की मगर वे दर्द से तड़फ रही थीं तो उन्होंने मुझे हाथ भी नहीं लगाने दिया.

वे बोलीं- तू जब चाहे मेरी ले लेना ... अब कौन रोकने वाला है तुझे ?

तब से मैं चाची की गाहे बगाहे चुत गांड मारने लगा था.

उसके बाद चाची मेरे लौड़े से चुद कर पेट से हो गई थीं तब मुझे उन्होंने मेरे लिए एक लड़की की चुत सैट की थी, वह सेक्स कहानी मैं आपको बाद में सुनाऊंगा.

आपको मेरी न्यूड शो सेक्स स्टोरी कैसी लगी, प्लीज मुझे जरूर बताएं.

sadshayar23@gmail.com

Other stories you may be interested in

चाचा चाची की चुदाई देखकर बहन चोद दी- 3

इंडियन सिस्टर चुदाई कहानी में मेरी चचेरी बहन ने मेरे साथ अपने मम्मी पापा की चुदाई देखी. इससे हम दोनों बहुत गर्म हो गए. मेरी बहन मुझे बाहर वाली कोठरे में ले गयी. दोस्तो, मैं आपको अपनी देसी सेक्स कहानी [...]

[Full Story >>>](#)

टीचर संग ओरल सेक्स का मजा

ओरल फक स्टोरी में मेरी एक टीचर मुझे बहुत पसंद करती थी, मैं भी उसे पसंद करता था. हम दोनों अच्छे दोस्त बन गए थे. टीचर जब छोड़ कर जाने लगी तो आखिरी दिन वे मेरे बाइक पर बैठ गयी. [...]

[Full Story >>>](#)

चाचा चाची की चुदाई देखकर बहन चोद दी- 2

लाइव Xxx शो में मेरी चचेरी बहन की जवानी मेरे लंड को परेशान कर रही थी. वह भी चुदना चाहती थी तो उसने एक रात अपने माँ बाप की लाइव चुदाई मुझे दिखाई. दोस्तो, मैं अपनी देसी सेक्स कहानी के [...]

[Full Story >>>](#)

1 दिन में 3 बार चुदी मैं

हॉट गर्ल कहानी में मुझे लंड लेने की आदत हो चुकी थी. मैं एक लंड से चुद तो ली पर मेरी तसल्ली नहीं हुई. मैं नए लंड की तलाश में थी कि मेरे एक और चोदू का फोन आ गया. [...]

[Full Story >>>](#)

चाचा चाची की चुदाई देखकर बहन चोद दी- 1

बहन की बुर की कहानी में जॉइंट फॅमिली में मेरी चचेरी बहन से मैं खुला हुआ था. मुझे सेक्स की समझ आई तो मेरी नजर अपनी उसी बहन की जवानी पर थी. यह बात बहुत पहले की है, जब मैं [...]

[Full Story >>>](#)

